2. सफलता की कहानी

बी.आर.पटेल, मुरलीधर देवाँगन, डॉ.एम.के. रघुनाथ एवं आर.बी. सिन्हा
रिपोर्ट-बु.बी.प्र.एवं प्र.केन्द्र, बोइरदादर एवं बु.त.रे.बी.सं. बिलासपुर (छ.ग.)

श्री गणेशराम पिता श्री रंजीत, उम्र 44 वर्ष ग्राम/पोस्ट–बार, तहसील-बरमकेला, जिला रायगढ (छ.ग.) के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के निवासी हैं जो कि पिछले लगभग 22 वर्षों से बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बोईरदादर द्वारा राज्य रेशम विभाग, रायगढ के माध्यम से रोग मुक्त चकत्ते प्राप्त कर तसर कीटपालन कार्य करतें आ रहे हैं । समयानुसार इस केन्द्र द्वारा तकनीकी प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन उन्हें प्रदान किया जाता रहा है, जिसके फलस्वरूप उनके अथक परिश्रम से आमदनी में प्रतिवर्ष वृद्धि हो रही है। जिसका विवरण तालिकानुसार दर्शाया गया है -

वर्ष	फसल	पालित रो.मु.च.	कुल उत्पादित कोसाफल	कोसा उत्पादन /रो.मु.च.	कुल आय (रूपये)	प्रतिदिन आय (रूपये)
2016-17	प्रथम	300	13200	44.00	14638.00	365.99
	द्वितीय	600	27300	45.50	31234.00	624.60
	तृतीय	500	16700	33.41	23900.00	367.60
	योग	1400	57200	40.85	69,772.00	452.70
2017-18	प्रथम	400	35700	89.25	47115.00	1177.80
	द्वितीय	400	23600	59.00	37230.00	744.60
	तृतीय	500	14200	28.40	17380.00	267.30
	योग	1300	73500	56.50	1,01,725.00	730.00
2018-19	प्रथम	400	9350	23.37	13563.00	339.00
	द्वितीय	550	39250	71.37	41575.00	831.50
	तृतीय	550	44700	81.27	61675.00	948.80
	योग	1500	93300	62.00	1,16,813.00	706.40

उन्होंनें बताया कि वे पिछले 6-7 वर्षों से कीटपालन कार्य में ज्यादा ध्यान दे रहे है एवं उनकी आय में वृद्धि भी हो रही है । क्योंकि वर्षा आधारित फसल में वर्षा की कमी के कारण खेती से एवं मजदूरी करके भी परिवार का पालन पोषण ठीक से नहीं हो

पाता था इसलिए राज्य रेशम विभाग, रायगढ से संपर्क कर बुनियादी बीज प्रगुणन एवं

श्री गणेशराम, तसर उन्नतशील कृषक ग्राम-वार (तोरना)
तहसील-वरमकेला, जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

प्रशिक्षण केन्द्र, बोईरदादर के सलाहनुसार उनसे रोग मुक्त चकत्ते प्राप्त कर तसर कीटपालन कर रहा हूँ एवं समय-समय पर केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बोईरदादर द्वारा प्रदान की जा रही तकनीकी प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन का लाभ उठाकर मैने भी प्रक्षेत्र में रसायन खाद के अलावा गोबर खाद एवं नीमखली का उपयोग करके कोसा उत्पादन किया एवं मेहनत की कमाई से अपने परिवार जिसमें 6 बड़े सदस्य एवं 1 पुत्र एवं 2 पुत्रियों के पालन पोषण के साथ ही बच्चों को हाई स्कूल में शिक्षा दिलवा रहा हूँ। कीटपालन की कमाई से ही एक मकान का निर्माण कराया हूं, टीव्ही, कूलर, सिलाई मशीन, एक मोटर साईकिल खरीदी की है। साथ ही साथ समय का सदुपयोग कर अतिरिक्त समय में भेड़पालन भी कर रहा हूँ और अपने कार्य से संतुष्ट हूँ।

गरीबी से लड़कर आगे आएं, "तसर व्यवसाय" में नाम कमाएं।

::::::::::::::::::::::::::::::::